दूरभाष : 0471-2321378, 2329200, 2329459
फैक्स : 0471-2329459
मोबाईल : संपादक : 8304802896, 9995680289

E-mail : khpsabha12@gmail.com
Website : www.keralahindipracharsabha.com

केरलज्योति

सांस्कृतिक जागरण की मासिक पत्रिका

फरवरी 2019

संपादकीय

# हिंदी द्वारा भारतीय भाषाओं का समन्वय

पुस्तक समीक्षा

## 'पी.विश्वंभरन गाँधीयन सोशियलिस्ट' एक उत्कृष्ट जीवनीपरक ग्रन्थ

– डॉ. रंजीत रविशैलम

केरल के वरिष्ठ मलयालम साहित्यकार एवं पत्रकार श्री अजित वेण्णियूर द्वारा विरचित लब्धप्रतिष्ठ गाँधीवादी सोशियलिस्ट पी. विश्वंभरनजी विषयक'पी. विश्वंभरन गाँधीयन सोशियलिस्ट' शीर्षक जीवनीपरक ग्रंथ का प्रकाशन सन् 2017 में हुआ है। इसमें पी. विश्वंभरन जी के जीवन के कण-कण क्षण को उजागर किया गया है। कॉग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओं में सारे विश्व में प्रचलित सोशियलिस्म के बीज पड़ने के कारण 'कम्यूनिस्म' की ओर जाने की प्रवृत्ति जागृत हुई थी। मगर 'सोशियलिसम' को अपनाने के पश्चात् भी 'गाँधीवाद' उन्होंने नहीं त्यागा। पी. विश्वंभरन जी में एक उत्कृष्ट समाज सेवी होने का मानवीय गुण प्रचुर मात्रा में निहित था। उनके त्यागोज्वल जीवन से प्रेरणा लेकर लोगों में एक विशेष प्रकार की मानसिकता उत्पन्न हुई थी जो सर्वांगीण समाजिक विकास के लिए सहायक सिद्ध हुई। सामाजिक कार्यकर्ताओं में निस्वार्थता, धार्मिकता, सहजता, सत्यवादिता आदि मानवीय मूल्यों को प्रज्वलित करने में पी. विश्वंभरन जी की देन अप्रतिम थी। उनके जीवन को समग्र रूप से उकेरने में जीवनीकार सफल सिद्ध हुए हैं।

पी. विश्वंभरन जी मूलतः केरल निवासी थे। लेकिन उनका जीवन राष्ट्र को समर्पित था। उनके समग्र जीवन के इतिहास को 28 उपशीर्षकों में विभाजित कर प्रस्तुत किया गया है। साथ में उनके जीवन से संबंधित भव्य चित्रावली भी प्रदृष्ट है। पी. विश्वंभरन की जैसे प्रभावी व्यक्तित्व पर सृजित इस ग्रंथ के प्रकाशक है केरल भाषा इंस्टिट्यूट, तिरुवनंतपुरम।

Scanned with CamScanner

बधाइयाँ